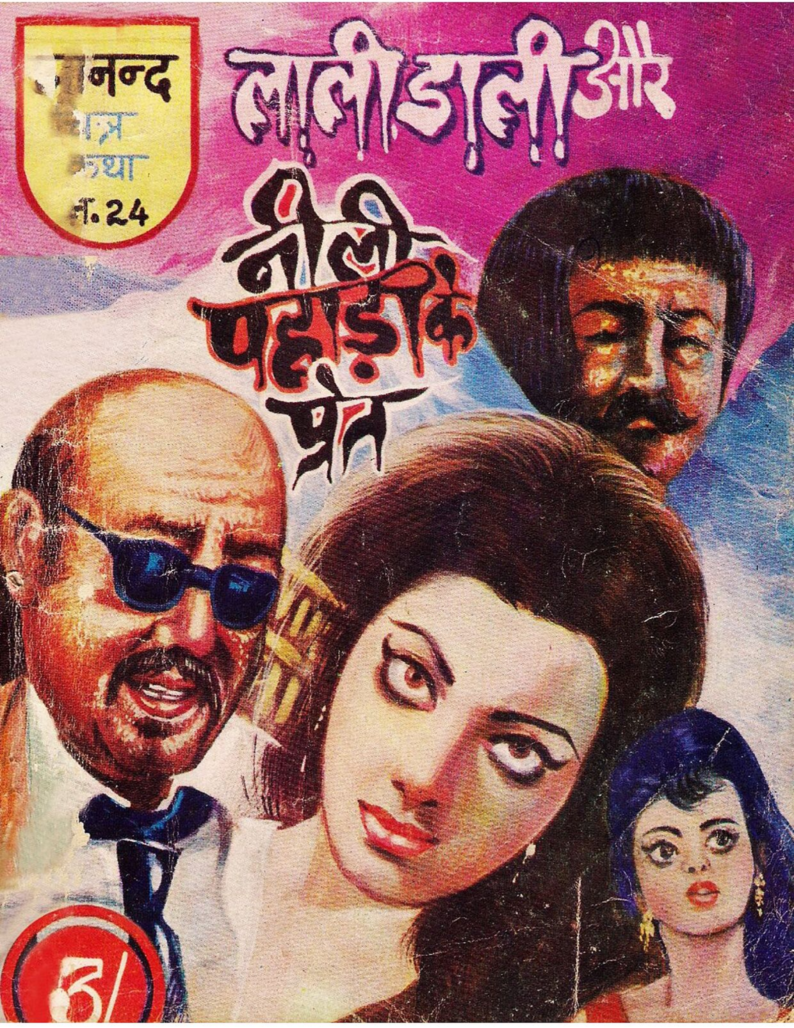


लाली डाली और
नीली पहाड़ी के प्रेत

इस सैट की पुस्तकें

दौलत का शिकारी

चक्रम सीरीज़

लाली डाली और नीली पहाड़ी का प्रेत

प्रत्येक का मूल्य 3/-

बुन्टी पिन्टू का अपहरण

जादुई दानव

शेखचिल्ली सीरीज़


समय हो गया है गाड़ी छुटने वाली है-!
मुझे विश्वास है वह जरूर से आयेंगी-!
जल्दी चलो गाड़ी छुटने वाली है-!
देखा, दोनो आ रही हैं-!
वाकई आ तो गई-!
चलो समय से पहुँच तो गये-!
ओह!... अभी से हमारा पीछा शुरू हो गया... मगर अब क्या हो सकता है--!


रेलवे स्टेशन
लाली डाली को एक खास खबर इंस्पेक्टर खन्ना जी ने दी, खबर ऐसी थी सुनते ही दोनो का खून खोल उठा था--!
बॉय..बॉय अंकल!
मैने जो समझाया है उसका ध्यान रखना मेरी बच्चियो-!
ओ.के अंकल थैंक्यू--!
लाली डाली और नीली पहाड़ी के प्रेत
मैने कितना समझाया, दोनो ने एक भी नही सुनी--!
डाली.. इस बार उपर वाला हमारी परीक्षा ले रहा है--!
अच्छे कामो के नतीजे भी अच्छे होते है लाली--!


मुझे कुछ न कुछ करना ही होगा - लेकिन लाली ने मना किया है कि मैं कोई एक्शन न लूँ---!
ट्रेन के सफर का मजा ही कुछ और है लाली--!
हाँ सचमुच मजा आ रहा है डाली-!
देखो अलबेली भी कैसी खुश है-!
म्यांऊ
देखने में कितनी मासूम है, लेकिन उफ कितनी खतरनाक है-!
मगर अब जल्दी इनकी अक्ल ठिकाने लग जायेगी-!


ठीक है, खबर बराबर देते रहो!
यस.. यस.. यस.. यह काम यहाँ नहीं हो सकता बॉस इधर बहुत लोग हैं-!
क्या.. आर्डर है-!
आर्डर है इन्हें रास्ते में खत्म कर दो-!
ये दोनों आदमी मुझे अच्छे नहीं लगते..!
मेरा भी यही विचार है! ये अच्छे आदमी नहीं हैं!
करना भी यही होगा लेकिन काम सफाई से होना चाहिये-!
रात बीतने दो हम एक एक को पकड़ कर बहोश कर देगे और खिड़की से बाहर फैक देगे-!
हम भी तैयार है क्यों साली-!
बेशक!
आधी रात बीती जब सभी सो रहे थे-!


अब ठीक है-!
हाँ, आगे बढ़ कर हम इनके मुँह दबोच लेंगे और बेहोश कर देंगे-!
आने दो इन शैतानों को-!
हम ऐसा मजा चखवायेंगे कि ये क्या याद रखेंगें-!
रूमाल नाक पर रखते ही दोनो बेहोश हो जायेंगी--!
हाँ··हाँ··हाँ-!
हा··हा··हा··
दोनो धीरे-धीरे हंसते हुये--!


ये हमे फेकने आये थे..!
अब हम इन्हे बाहर फैक कर रहेगें..यानि कि एक दो तीन..!
डाली लगता है ..कोई स्टेशन आरहा है..!
लगता तो हैं..!
लाली डार्लिंग मैं अभी आई..!
ठीक है मैं यहीं पर हूँ..!
हैलो..हैलो..अंकल मैं डाली बोल रही हूँ यहाँ पर दो पार्सल है क्या करें-!
पड़ा रहने दो मैं किसी स्टेशन पर उन्हें उतरवा लूगा, तुम दोनो सावधान रहना!
इन मक्कारो को इसी हालत में रखना होगा-!
चिन्ता मत करो ये इसी हालत में रहेगें-!


अगर हम चूक जाते तो ये दोनो हमें मार ही डालते-!
सही है--! इन्हे अब खत्री अंकल सम्भाल लेगें-!
मैं इंस्पेक्टर वर्मा हूँ, मिस्टर खत्री के लिये कोई सन्देश देगी आप-!
बस इतना कि हम सकुशल हैं-!
अब तुम दोनो ठीक नहीं रहोगी और मिस्टर खत्री को चिंता भी करनी पड़ेगी-!
बॉस... हमने जार्ज और एंथोनी को अपने कब्जे में कर लिया है... ओवर-!
ठीक है... ओवर एण्ड आल--!
ये छोकरियाँ बड़ी तेज हैं, इनके सामने जो भी होता वही धोका खा जाता--!


वर्मा हैं तो ···दो स्टेशन पहले वह कौन था-!
ओह! लगता है दुश्मन ने अपनी भूल सुधार ली है, फिर भी सावधान रहना-!
इस बार मामला टेढ़ा है--!
दुश्मन सच में बड़ा चालाक है, अभी हम मिशन पर निकले हैं कि हमारी निगरानी शुरू··!
मुझे मिस्टर खत्री को खबर करनी चाहिये--!
ओह! तो यह बात है, दुश्मन शक्तिशाली है-!
लाली डाली चमनगढ़ स्टेशन पर पहुँचती है--!
लाली हमे पुलिस की हायतौबा से बचना चाहिये-!
बिलकुल वर्ना हम काम नहीं कर पायेगें-!


पुलिस की जीप आरही है-!
जीप के आने से पहले ही निकल चलो-!
ड्राईवर, किसी होटल में चलो-!
चमन गढ़ तो एकदम से पहाड़ी इलाका है-!
मगर साफसुथरा है-!
आ गयी नबाबजादी- दोनो आ तो गई हो मगर लौट कर वापस जाओगी नहीं-- बॉस को तुम्हारा ही इन्तजार था-!
हैलो··हैलो·· बॉस दोनो को होटल चमन में छोड़ दिया है--!
बॉस बुद बुदाता है-!
अब देखता हूँ मुझ से ये दोनो छोकरियाँ कैसे बचती हैं··!


जाओ, इस बार तो मैं छोड़ता हूँ- अबकी बार चूक हुई तो गोली मार दूँगा गेट--आउट-!
बस एक मौका और दीजिये, अब ऐसी भूल नही होगी-!
बॉस हमसे गलती होगई, हम नहीं जानते थे कि वो छोकरियाँ इतनी चालाक होगी-!
जान बची तो लाखों पाये--!
मगर यार बॉस को ये सब कैसे पता चल गया-!
वाकई ये मूर्ख हैं, इन्हे पता ही नही इनकी ड्रेस के बटन में टी.वी. कैमरा फिट है! हा--हा--हा--!
सब चक्कर छोड़कर हमें नीली पहाड़ी के रास्ते के बारे में सोचना चाहिये-!
हमें खत्री अंकल की बात भी ध्यान रखनी होगी-!
दरवाजे पर कौन आया--!
सावधानी से दरवाजा खोलना होगा--!
खट-खट-खट


हैलो बच्चों कैसे हो--!
हाँ··हाँ··हाँ··!
हम अच्छे है मगर तुम-!
मैं समझ गया मेरे पास प्रमाण है-!
सॉरी अंकल दुश्मन पीछे है ना इसी लिये···!
कम··ऑन··यहीं तुम दोनो सुरक्षित नहीं हो-!
तीनो खुसर फुसर करते हैं फिर डी.एस.पी. वापस लौट जाते हैं···!
हमें सुरक्षा की परवाह नहीं है··क्यो लाली ?
बिलकुल डरते तो घर से ही क्यों निकलते-!
हैलो··ऽ! यस क्या ओह नो-!
ओह मैं उन तीनो का वही हाल करूंगा मिस्टर पटमास जो मैंने बीसिओ का किया है-!
नीली पहाड़ी की तरफ रूख करने वाला जिन्दा नहीं रहेगा-!


दूर-दूर तक ऐसा कोई भी नजर नहीं आ रहा जिस पर शक हो-!
ओह! तो ये छोकरी हमे दूरबीन से देख रही थी--!
अंधेरा होते ही हम यहाँ से निकल जायेगें-!
ओह गॉड! हम समझ रहे थे दूर दूर तक कोई भी नही है मगर-!
हैलो हैलो बॉस वह तीनो आज की रात नीली पहाड़ी की तरफ रवाना होगें--!
ओ.के. तुम उन पर नजर रखो-!
निकलेगी तो दरवाजे से ही-!
मुझे नींद नहीं आ रही थी, मेरे लिये एक काफी ले आओ-!
कोई आर्डर सर---!
यस सर-!



इतनी देर हो गई ये दोनो बाहर क्यों नहीं निकली
अरे! ये तो आराम से सो रही है, मैं बॉस को खबर करता हूँ-!
हैलो.. हैलो.. बॉस वो दोना सो रही है-!
दोनो को गोली मार दो.. !
साइलेंसर लगे हुये रिवालवर का कमाल गोली चली मगर बे आवाज--!
हैलो.. हैलो.. बॉस मैने दोनो को गोली मार दी है, आर्डर दे होटल छोड़ दूँ--!
ठीक है वापिस आ जाओ, अब वहीं पर रहना खतरनाक है-!
इन छोकरियों पर पुलिस को नाज था.. बेचारी---!


व्हाट··शट अप तुम ऐसा नहीं कर सकते--!
मेरे रास्ते में जो भी आयेगा, उसका यही अंजाम होगा, मैं सभी को कुत्ते वाली मौत मार डालूँगा-!
यह क्या हो गया, मुझे फौरन होटल चमन पहुँचना चाहिये--!
लाली डाली का कितना नाम था, इन शैतानों ने उन्हें खत्म कर दिया, एक बार सामना तो हो जाये--!
अब तक चमन गढ़ में पचासों काण्ड हो चुके हैं-समझ में नहीं आता अपराधी चाहता क्या है--!
मैं तो घबरा गया था··लाली डाली वाकई कमाल की है, रहस्य को छुपाये रहेंगी, लगता है दोनों नीली पहाड़ी की तरफ गई होंगी-!

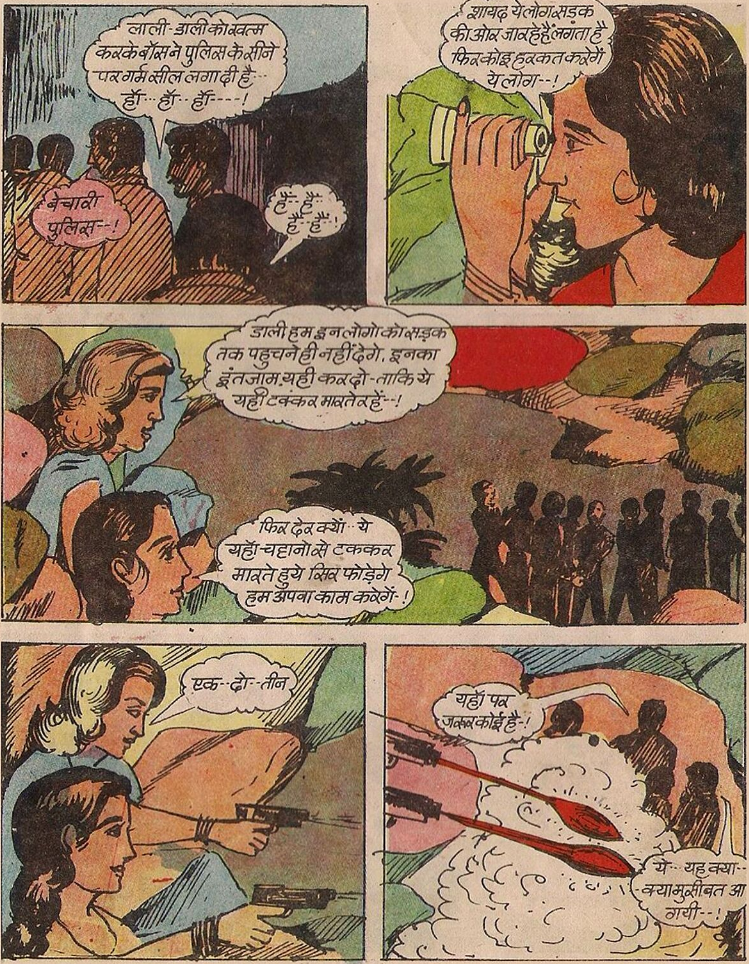


समझ में नहीं आता मेरे पीछे कौन आ रहा है, नजर भी नहीं आता---!
नम्बर सिक्स छुपकर इंतजार करता है---!
यहाँ तो दूर-दूर तक कोई नजर नहीं आता अब तक कोई होता तो सामने आ जाता--!
हा··हा··हा··!
हा··हा··हा··!
हा···हा···हा··!



ये प्रेत कौन थे--ये मैंने क्या देखा, प्रेत होते हैं मैं नहीं मानता, ये पुलिस की चाल लगती है-!
नम्बर सिक्स --क्या बात है-!
प्रेत..
पे.. पे.. प्रे.. प्रे.. दो प्रेत..!
प्रेत
मैंने आज तक कोई प्रेत व्रेत नहीं देखा-!
लगता है नम्बर सिक्स का दिमाग चल गया है-!
हा-हा-!
हो--हो--हो-!
भागो
भागो
भागो
हा-हा-!


हैलो-हैलो आज की रात तैयार रहे.. हमारे संकेत का इंतजार करें-!
ओ.के. हम तैयार है, उधर तुम्हारा सन्देश मिला इधर छापा पडा.!
आज की रात भी वही करना है जो पहले करते आये हो, यानिकि जो भी रास्ते में मिले उसे खत्म कर दो...जाओ---!
रात का मामला है.. कही प्रेत न मिल जाये-!
बॉस का आर्डर तो मानना ही होगा-!
डाली, सारे के सारे उस चट्टान के पीछे आ गये हैं---!
देख रही हूँ, देखो किधर जाते है ये लोग-!


लाली-डाली को खत्म करके बॉस ने पुलिस के सीने पर गर्म सील लगा दी है... हौं...हौं..हौं---!
बेचारी पुलिस--!
हैं..हैं हैं..हैं!
शायद ये लोग सड़क की ओर जा रहे हैं लगता है फिर कोई हरकत करेगें ये लोग--!
डाली हम इन लोगो को सड़क तक पहुचने ही नहीं देगे. इनका इंतजाम यहीं कर दो-ताकि ये यहीं टक्कर मारते रहें--!
फिर देर क्यों..ये यहीं चट्टानो से टककर मारते हुये सिर फोड़ेगे हम अपना काम करेगें-!
एक..दो..तीन
यहीं पर जरूर कोई है-!
ये..यह क्या--क्या मुसीबत आ गयी--!


एक बार बासने प्रेतो को देखा, मगर फिर टी.वी. पर प्रेत नजर नहीं आये--!
तुम सब गधे हो--? भूत प्रेत कुछ नहीं होता जाओ अपना काम करो
यही तो आश्चर्य कि उन पर कोई असर नहीं पड़ा-!
हमारे साथी ने उन पर गोलियाँ चलाई थी-!
माना प्रेत बहम है-मगर वो क्या थे-!
दिन में हमे चौकस रहना होगा-!
मुझे तो कुछ भी नजर नहीं आ रहा-!
चारों तरफ शान्ति है.. चलो चला जाये-!
डौली होशियार रहना कहीं अपना प्रेत वाला नाटक फेल न हो जाये--!
म्याऊं


बेचारे-!
हाँ··हाँ··हाँ·!
मारे गये···हमें तो कुछ भी नजर नहीं आ रहा--!
मैं··भी·
मैं··भी
लगता है मैं अन्धा हो गया हूँ--!
मेरे आदमी ठिकाने पर पहुँच गये होंगे, देखूँ क्या कर रहे हैं--!
अरे! इन मूर्खों को क्या हुआ, ये पागल तो नहीं हो गये कहीं·!
हमे जल्दी से उस जगह पहुँचना चाहिये जहाँ से ये बदमाश निकले थे·!
चलो--!
शायद यही वह जगह है जहाँ से वो लोग निकले थे-!
मगर--!


हमने जो कुछ भी किया है--उसकी सूचना दे देनी चाहिये-!
ठीक है मैं सामने नजर रखती हूँ-!
ये कुछ लोग जाकर देखो--ये सब अन्धों की तरह से हरकतें क्यों कर रहे हैं---!
डाली--अभी-अभी चार लोग बाहर आये हैं-!
चलो, हम अन्दर घुसने का रास्ता खोजें---!
अरे!--ये-ये मैं क्या देख रहा हूँ--ये--शैतान की नानी तो मर गई थी--फिर यहाँ--!


चारोतरफ चट्टान ही चट्टाने है अन्दर का रास्ता किधर है-!
यही मैं भी सोच रही हूँ-!
गिदड़ की मौत उसे गाँव मे खेंच ही लाई···जब आ गई हो तो रास्ता मैं देता हूँ-!
लगता है सारी चट्टाने ही हिल रही हैं-!
ये आवाजे कैसी हैं--!
लगता है यही अन्दर जाने का रास्ता है--!
यह गुफा सी कैसी है--!
तुम दोनो एक बार अन्दर आ जाओ फिर मैं तुम्हे देखुगा-!
यहीं तो रास्ता साफ है-!
सोचते होगे कि इधर कौन आयेगा-!


दोनो धीरे धीरे बातें करती हैं-!
कोई बाहर भी नहीं आया अभी तक!
लाली...दरवाज.. पहले से नहीं खुला था, खोला गया है...मगर क्यों-!
ये दोनो आपस में क्या कह रही हैं-!
मैने तो पहले ही कहा था-!
जो भी हो अब तो--!
हाँ...हाँ...हाँ... अब आयेगा मजा-!
शाबास...आओ चली आओ...और आगे-- आओ.. क्या कहने हैं...वाकई हिम्मत वाली छोकरियाँ हैं... हाँ..हाँ..हाँ..!
हा-हा
दबोच लो इन्हे-!

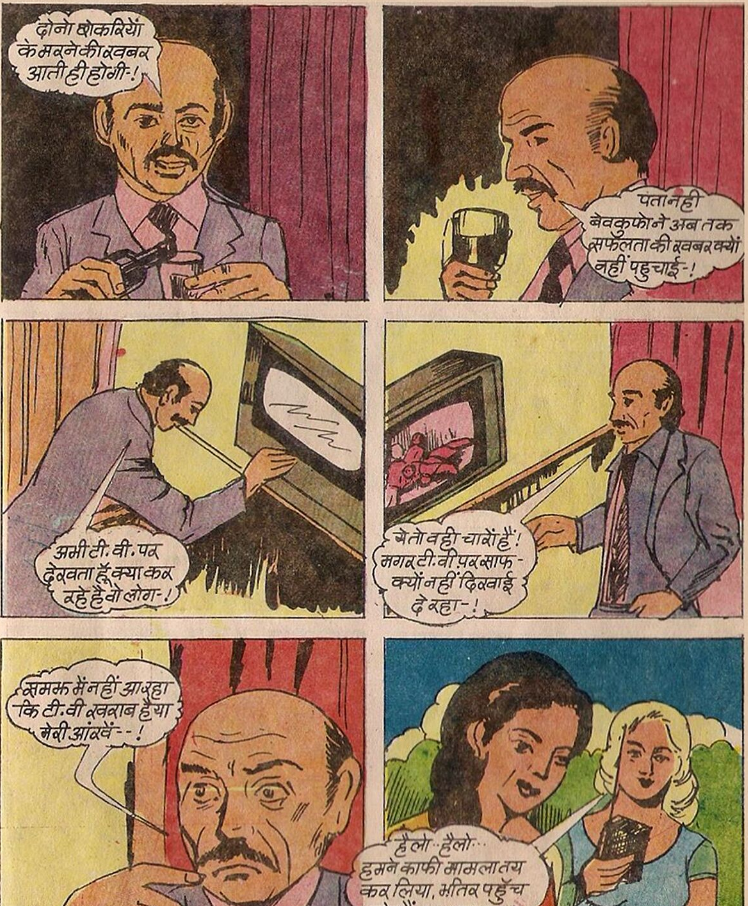

बेचारी--!
मानना ही होगा ये छोकरियाँ कमाल की अक्ल वाली है--!
बास गुस्से मे आर्डर देता है--!
इन्हे कोठरी में डाल दो अपने आप अक्ल ठिकाने आजायेगी दोनो की-!
अब जरा चैन आयेगा--!
उम्र भर यही पड़ी रहेगी-!
बॉस का जवाब नही है, दोनो ने हमारी नाकों चने चबा रखे थे--!
चलो आज जश्न मनायें-!


हा··हा··हा
···हे हे··हे·!
उयांऊ
इन छोकरियों के सहारे पुलिस हमें बेवकुफ बना रखा था, अब मैं इनकी लाश पुलिस को पार्सल करूंगा·!
लाली डाली की कोई खबर नहीं मिली मुझे पुलिस ले कर नीली पहाड़ियो की तरफ जाना चाहिये··!
नीली पहाड़ियों की तरफ रवाना होता पुलिस दल
ये लोग अन्धो की तरह से इधर उधर क्यों घूम रहे हैं सर·!
मैं समझ गया इंस्पक्टर·!


अब ये शैतान की नानी मेरे कब्जे में है! अपने आदमियों को भी देख लू जरा-!
ये टी.वी काम क्यो नहीं कर रहा, सभी के कपड़ों में सूक्ष्म कैमरे लगे हुये हैं सभी फेल कैसे हो गये-!
बड़ा अपराधी अपने पास सभी साधन रखता है--!
इन लोगों को हमारा पता कैसे चला--!
तब तो इनके बॉस ने अपने आदमियों का तमाशा देखा होगा-!
हो सकता है देखा हो-!
दुश्मन चुप बैठा है... कहीं ये कोई चाल तो नहीं है, मुझे कुछ करना होगा--!
ये टेबलेट निगल लो फिर उन लोगों की सफाई शुरू करेगें जो यहाँ पर है-!


इन लोगो को पता नहीं है ये लोहे की सलाखे हमारे लिये मोम की तरह से हैं-!
अब हमे कोई नहीं देख सकेगा!
बॉस लाली डाली को खत्म करने का आदेश देता है--!
तुम लोग जाओ और उन्हे गोली मार दो-!
चलो हम लोग चल कर दोनो को गोली मार दोगें-!
सोच लो दोनो छोकरियॉ साधारण नही हैं--!
कुछ भी हो इस समय वो हमारी कैद मे हैं.. हम बाहर से ही गोला मार देगें-!
अरे मेरी ऑखों को क्या हो गया--!
मै अन्धा हो गया--!
मुझे कुछ भी नजर नहीं आ रहा-!


लाली- इनके
इरादे अच्छे नहीं
हैं- !
मैं देख रही हूँ
वो देखो अलबली को-!
अरे बाप रे... ये
क्या मुसीबत आ
गई--!
हमें अभी
और काम भी
निपटाने हैं-!
अब हमें आगे बढ़ना
चाहिये--क्योंकि समय
खोना नादानी होगी-!
ठीक है इन्हे
यही मरने दो-!
म्यांऊ


दोनो छोकरियों के मरने की खबर आती ही होगी-!
पता नही बेवकूफो ने अब तक सफलता की खबर क्यों नहीं पहुचाई-!
अभी टी.वी. पर देखता हूँ क्या कर रहे है वो लोग-!
ये तो वही चारों हैं! मगर टी.वी पर साफ- क्यों नहीं दिखवाई दे रहा-!
समझ में नहीं आ रहा कि टी.वी खराब है या मेरी आंखें--!
हैलो..हैलो... हमने काफी मामला तय कर लिया, भीतर पहुँच गये हैं, अब आप छापा मार सकते हैं--!


ओ.के. अंकल
हम आ गये हैं तुम अपना ट्रांसमीटर आन रखना ताकि हमें आगे बढ़ने में आसानी हो!
दोनो लाली डाली को देख लेते हैं-!
अरे! ये तो वही दोनो छोकरियां है, जो बॉस की कैद में थी... मगर-!
ये आजाद कैसे हो गई!
लाली डाली खुसर फुसर करती हैं!
डाली मैं खतरे की गंध सूंघ रही हूं-!
जानती हूं-! दो लोग हमारे पीछे हैं-!
चलो--- वापस चलो-!
खबरदार हिली तो गोली मार दूंगा-!
डॉली डार्लिंग-!
मजबूरी है वापस जाना ही होगा!
हाय
आ
ओ


हमे भी अब चलना चाहिये-!
हो सकता है कि झपटमासे अंकल बाहर निकल गये हो-!
!!!
लगता है, हम फंस गये है-!
ये... यह क्या है-!
घबराओ नहीं मै तुम्हारा डी.एस.पी. अँकिल हूँ-!
ओह अंकल हम तो डर ही गये थे-!
ओह! डर और लाली डाली को, एक दम से उल्टी बात है-!


शाबास··आगे बढो और सभी को गिरफ्तार कर लो··!
ओह··धोका··! हमारे आदमियो की ड्रेस में पुलिस भीतर आगयी मुझे भागना चाहिये··!
सर दुश्मन के आदमियों ने टाइम बम लगा रखा है, हमें जल्दी निकल जाना चाहिये··!
भागो भागो
यूँ तो हमेशा ही अपराधी का अन्त खराब होता है, तुमने अभी अभी पढ़ा भी है, लाली डाली को ढेरों इनाम मिले उनके साहस को चारो तरफ सराहा गया, अच्छे बच्चों की हमेशा सब तारीफ करते हैं··हमेशा सब तारीफ करते हैं न···!

आगामी आकर्षण

धुएँ का शैतान
चाचा चक्रम सीरीज़

बुद्धिमानी प्रतियोगिता
का० शेखचिल्ली सीरीज़

प्रत्येक का मूल्य
3/-

लाली डाली और सुपरस्टार

छोटी पिद्दू और मौत का फरिश्ता

बड़ों के लिये
बच्चों के लिये
सबके लिये

आनन्द
चित्र कथा

मनोरंजक
शिक्षाप्रद
साहसिक

पाठकों, यूं तो आज बाजार में चित्रकथाओं की बाढ़ सी आई हुयी है। मगर इन सबसे अलग **आनन्द चित्र कथा** की बात ही कुछ और है! हमारा सदा यही प्रयास रहा है कि बच्चों को शिक्षा प्रद व साहासिक कहानियाँ पढ़ने को मिले, हम इसमें सफल भी रहे हैं, इसका प्रमाण है वो सैकड़ों खत जो हमारे पास रोज आते हैं-- विश्वास न हो तो आप भी पढ़कर देखिये---

मूल्य- 3/

आनन्द चित्र क